RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 2 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 17 जून 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

नई सरकार में पर्वतीय प्रदेश उत्तराखण्ड

भाजपा पाँचों सीटें जीतने के बाद मोदी को तक रही, विपक्ष हारने के बाद अपने को मजबूत बता रहा

कार्यालय प्रतिनिधि

देश के प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेने के साथ ही नरेन्द्र मोदी ने नया इतिहास रचा है। एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मोदी को सरकार बनाने के लिये आमंत्रित किया। इस पूरी प्रक्रिया से पहले एनडीए की एकजुटता पर सवाल होने लगे थे कि चन्द्राबाबू नायडू और नीतीश कुमार क्या फैसला करते हैं। लेकिन इन दोनों नेताओं ने फिलहाल के मौके पर मोदी की प्रशंसा करने में ही भलाई समझी। यह भी साफ दिखाई दे रहा है कि भाजपा के दमखम के बावूजद सीटों की संख्या देखते हुए इसके बड़े नेता संयमित हैं और संभल कर बोलने लगे हैं। देशभर में किसी भी पार्टी की एकतरफा लहर न होने से पक्ष-विपक्ष फिर से चौकन्ने हैं। सत्ता को बचते हुए चलना है और विपक्ष मौके की तलाश में रहेगा।

केन्द्र सरकार की नज़र में यदि उत्तराखण्ड को देखा जाए तो, यह पर्वतीय प्रदेश छाया रहेगा क्योंकि प्रदेश की पाँचों लोकसभा भाजपा के पाले में जाने के साथ ही यहाँ की विधानसभा में पूरा दबदबा इस पार्टी का बना है। दबदबा क्या, इस प्रदेश में पूरी भाजपा नरेन्द्र मोदी के नाम पर अग्रणीय बनी हुई है। लोकसभा चुनाव में भी पाँचों पर जो कमाल हुआ वह मोदी के नाम पर था। जोर मार रहा विपक्ष भारी पड़ सकता था लेकिन मतदाताओं ने मोदी के नाम पर भाजपा प्रत्याशियों को वोट दिये। कहने को इण्डिया गठबन्धन के रूप में प्रदेश में भी विपक्ष ने ताकत दिखानी चाही लेकिन सबकी अपनी चाह विपक्ष को कमजोर बनाकर खड़ी कर गई। अपने-अपने प्रत्याशी खड़े करने और अपने नारे देने वाला विपक्ष मन बहलाने के लिये भाजपा के 400 पार का नारा फेल होने और देश में विपक्ष को बढ़त पर खुशी मना रहा है। विपक्ष के नेता हार के बावजूद अपने को मजबूत बता रहे हैं। प्रदेश स्तर पर देखें तो कांग्रेस अपनी हार को हैट्रिक पर मथंन कर करने लगी है। उत्तराखण्ड में मोदी का जादू चलता देख कई दिग्गज नेताओं ने पहले ही अपने को समेट लिया था और भाजपा के पाले में कई चले गये। अब जो टीम कांग्रेस की है वह कितनी फुर्ती दिखा पाएगी यह तो समय बतायेगा लेकिन अभी इसमें उलट-पुलट होनी तय है। चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने जनता का आभार जताते हुए आगे भी आशीर्वाद देने को कहा है। हरीश रावत जैसे दिग्गज नेताओं को राजनीति लपेट से छुटकारा नहीं मिल रहा है लेकिन वह आगे भी कामयाब होंगे इसमें सन्देह है। इसी प्रकार भाजपा में भगत सिंह कोश्यारी जैसे दिग्गज नेताओं का कद अब दौड़भाग से ज्यादा संरक्षक की भूमिका में ही दिखाई देगा।

देशभर के बड़े मीडिया जब 400 पार का भौंपू बजा रहे थे मिशन पर चलने वाले पिघलता हिमालय ने निष्पक्ष टिप्पणी की थी कि 'डगर कठिन है' और हुआ भी वही। यह भी कहा था- 'इस बार के लोकसभा चुनाव के साथ ही उत्तराखण्ड की राजनीति में बड़ा उलटफेर होगा। कई दिग्गजों का राजनैतिक भविष्य बदलेगा और नए चेहरे पर्दापण करेंगे।' उत्तराखण्ड में बी.सी. खण्डूरी सहित कई बड़े नेता एकदम चुपचाप हो चुके हैं, इसके पीछे उनकी पार्टी कारण हो, उनके स्वास्थ्य कारण हो या अन्य। विजय बहुगुणा अपनी सुपुत्र सौरभ को आगे बढ़ाने में सफल हो गये। यशपाल आर्य भी इसमें काफी सफल रहे हैं। अपने उत्तराधिकारी को आगे करने की चाह में कई नेता दांव चल रहे हैं लेकिन यह दौर प्रदेश की राजनीति में लगातार बदलाव का है। ऐसे में केन्द्र की नई सरकार में उत्तराखण्ड कहाँ पर है यह देखने लायक है।

निकाय चुनाव के लिये अब सरपट तैयारी

हल्द्वानी। लोकसभा चुनाव के बाद सरकार बनाने तक की हलचल को उत्तराखण्ड निकाय चुनाव में घटित करने को तैयार है। भाजपा और कांग्रेस इसके लिये रणनीति बना रहे हैं तो जनता भी सजग है। माना जा रहा है कि निकाय चुनाव में पार्टी रंग से रंगने की तैयारी के अलावा दमखम वाले नेताओं की परीक्षा होगी।

प्रदेश में भाजपा सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों को चुनाव लड़ाने के लिये एकदम तैयार है क्योंकि इसके मजबूत संगठन के साथ पूरी तरह किलेबन्दी करने की तैयारी पहले से है। निकाय चुनाव में नगर निगमों के लिये फिर से पुराने चेहरों को मौका दिये जाने की बात कही जा रही है। इसके अलावा लोकसभा चुनाव में स्थानीय नेताओं की सक्रियता देखते हुए उन्हें निकाय चुनाव में पार्टी पुरस्कार देगी।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस भले ही सीट जीतने में सफल नहीं हुई हो लेकिन विपक्ष के कुल परिणाम को लेकर उसमें हौंसला बन गया है। पार्टी टिकट की चाह रखने वाले नेता बयानबाजी करने लगे हैं। यह भी तय है कि निकाय चुनाव के मुद्दे अलग हैं और इसमें मतदाता भी चुप नहीं रहेगा। ऐसे में पार्टियां प्रदेश की राजनीति में दबदबे के लिये खूब जूझेंगी और जिताऊ प्रत्याशी की ओर पलड़ा रहेगा।

निकाय चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारी भी सरपट होने लगी है क्योंकि सब जानते हैं कि निकाय चुनाव स्थानीय नेताओं के सीधे जुड़े होने से हर तरह की 'चैं-चैं-मैं-मैं' इस बार बहुत होगी।

सीमांत के मनोहर सिंह रावत ने निभाई प्रधानमंत्री के 'मन की बात' प्रसारण में अहम भूमिका

प्रमोद कुमार वत्स

आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल आकाशवाणी दिल्ली के कार्यक्रम प्रमुख मनोहर सिंह रावत अपने जीवन के लगभग 37 वर्ष आकाशवाणी की सेवा करने के उपरान्त 31 मई 2024 को सेवानिवृत्त हो गये हैं। मनोहर सिंह रावत ने सितम्बर 1987 में देवभूमि उत्तराखण्ड के सुदूर भारत चीन सीमावर्ती जिले पिथौरागढ़ से आकर देश की राजधानी दिल्ली में आकर पहली बार एक महानगर की जिन्दगी देखी। साधारण पृष्ठभूमि और निम्न मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे मनोहर सिंह रावत, गाँव मुनस्यारी के मूल निवासी हैं। यह क्षेत्र आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है, जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति आज भी देश के अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा बहुत पिछड़ी हुई है। ऐसी विषम और विकट परिस्थितियों में एक कड़ा संघर्ष करने के उपरान्त मनोहर लसह रावत ने देश की सर्वोत्तम सांस्कृतिक संस्था में प्रवेश किया प्रसारण निष्पादक के रूप में 1987 में। इस महानगर में ना कोई आशियाना था, ना कोई आसरा, ना ही किसी से कोई विशेष परिचय।

पर्वतीय क्षेत्र के लोगों के जीवन में वैसे भी कठिनाइयों की कोई कमी नहीं होती पर मैदानों में आकर जीवन यापन करना सबसे कठिन निर्णय होता है। ये निर्णय लेना मनोहर सिंह रावत के लिए भी आसान नहीं था लेकिन विकल्प भी कोई नहीं था। परिवार के संस्कार, काम के प्रति समर्पण, सच्चाई और ईमानदारी के साथ श्री मनोहर सिंह रावत ने प्रसारण निष्पादक के रूप में कार्य आरम्भ किया, क्योंकि अभी तक का जीवन संघर्ष और कठिनाइयों से भरा था तो कठिन परिश्रम की आदत भी थी तो इन्होंने आफिस के विभिन्न कार्यों में भी सहयोग देना आरम्भ किया और जल्द ही महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों के निर्माण में, विशिष्ट कार्यक्रमों के आयोजनों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे। ये वो समय था जब आकाशवाणी में कार्यक्रमों के format में और तकनीक में परिवर्तन हो रहे थे। Short wave और medium wave के साथ-साथ FM mode आ रहा था और कार्यक्रम प्रस्तुति के अंदाज और सलीखे में बदलाव आ रहा था। Recording, Editing, Dubbing, Production and Programme Presentation सहित सभी Digital Technology को अपना रहे थे, ऐसे में श्री मनोहर लसह रावत ने वर्तमान तकनीक के साथ साथ Digital technology को सरलता से सीखकर रुफलता से अपना लिया। इस बीच 1997 में मनोहर लसह रावत कार्यक्रम अधिकारी के रूप में पदोन्नत होकर 6 माह के लिए आकाशवाणी मथुरा चले गए लेकिन आकाशवाणी दिल्ली पर इनकी आवश्यकता को देखते हुए इन्हें शीघ्र ही आकाशवाणी दिल्ली बुला लिया गया। श्री रावत ने कार्यक्रम अधिकारी के रूप में Sports section, Hindi Spoken Word के विभिन्न कार्यक्रमों के साथ साथ अखिल भारतीय स्तर के अनेक कार्यक्रम के दायित्वों का निर्वहन किया. Sports में इनकी स्वाभाविक रुचि थी और इन्होंने Sports कार्यक्रमों की प्रस्तुति में नए प्रयोग किए। आज Sports

शेष पृष्ठ 3 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

शिक्षकों-बाबुओं की ट्रैफिक ड्यूटी

शिक्षा विभाग ने बीते दिनों अपने शिक्षकों-बाबुओं की ड्यूटी ट्रैफिक व्यवस्था के लिये लगा दी। कहा गया कि जून के पर्यटन सीजन में हो रहे जाम को देखते हुए यह लोग ट्रैफिक कार्य संभालेंगे। पुलिस कर्मियों की कमी का हवाला देते हुए शिक्षकों की लगाई गई ड्यूटी का राजकीय शिक्षक संघ ने विरोध किया। संघ ने इस प्रकार की ड्यूटी को गलत परिपाटी बताया।

असल बात यह है कि शिक्षा और शिक्षक जिस दुर्दशा को प्राप्त होते जा रहे हैं उसमें पूरी व्यवस्था का दोष है। पठन-पाठन के केन्द्रों को जिस प्रकार से मखौल बनाया जा रहा है वह बहुत ही डरावना सपना सा है। होने यह लगाया है कि अब 'शिक्षक धर्म' की जगह 'पेट पालो' अभियान ज्यादा है। ऐसे में उन गुरुजनों की कमी है जो होनहार शिष्यों को समाज के लिये तैयार करते थे। इसी प्रकार धैर्यवान शिष्य भी गिनती भर के हैं। चल रहे स्कूल कालेजों में भीड़ के बीच विभिन्न प्रकार के ऐसे अभियानों को सफल करने की होड़ मची है जो प्रचार-प्रसार दे। विभिन्न विषयों की सजग पढ़ाई के स्थान पर लगातार बैनर लगाकर ऐसे आयोजनों को किया जाने लगा है जो अगले दिन अखबारों की सुर्खियों में रहे। शासन की भी यही इच्छा होती है कि उसके द्वारा दिये जा रहे नारों को स्कूलों के माध्यम से प्रचार मिले। प्रशासन भी अपने अभियानों को पूरा करने के लिये इनका सहारा लेता है। बात-बात पर स्कूली बच्चों के जुलूस, रैली किये जाते हैं। इसके लिये शिक्षक भी उलझे रहते हैं। यह भी मान लिया गया है कि शिक्षक वर्ग पठन-पाठन तो करता नहीं है इसलिये इन्हें अन्य कार्यों में लगाया जाए। इसी क्रम में ट्रैफिक व्यवस्था संभालने का काम भी दे दिया गया।

किसी भी समाज की रीढ़ शिक्षा व्यवस्था है और इसी को लेकर बनते जा रहे मखौल से कैसा समाज बनेगा? हालांकि शिक्षा के अन्तर्गत हर वह बात आती है जिससे समाज का हित हो। पर्यावरण, ट्रैफिक व्यवस्था, स्वास्थ्य, स्वच्छता सभी के बारे में शिक्षा दी जाए और यह प्रयोगात्मक भी हो। इसके अलावा संगीत, योग जैसे विषय भी सुधारात्मक होंगे परन्तु हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ विषयों का रट्टा और समय बिताने को महत्व दिया गया है। छोटी कक्षाओं में ही इतने प्रकार के फितूर हैं कि बच्चे उलझ जाते हैं। जैसे-तैसे हाईस्कूल-इण्टर का तड़का लगता है और फिर उच्चशिक्षा में आने वाले अधिकांश दिशाहीन हो चुके होते हैं। सरकारें सुधार के नाम पर अपने प्रयोग को सबकुछ समझने लगती हैं। जबकि शिक्षक कैसा हो, विद्यार्थियों को किस प्रकार से समाज के लिये तैयार किया जाए इस बारे में विचार होना चाहिये। विद्यालयों व विद्यार्थियों को प्रदर्शनी बनाने के बजाए इनको सिर्फ शिक्षण-प्रशिक्षण में लगाया जाए।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

लालू-तेजस्वी समेत ७८ आरोपी

नई दिल्ली। केन्द्रीय जाँच ब्यूरो ने रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में अन्तिम आरोपपत्र दाखिल करते हुए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव समेत 78 पर साजिश का आरोपी बताया है। विशेष अदालत 6 जुलाई को आरेपपत्र पर संज्ञान लेगी।

कचरे से लदे गुब्बारे दक्षिण कोरिया में गिराए

सोल। उत्तर कोरिया के कचरा ढोने वाले 600 से अधिक गुब्बारे लगातार 5 दिनों में जीपीएस सिग्नल जाम होने के बीच दक्षिण कोरिया में गिरे। सोल सेना ने दक्षिण कोरिया पर जवाबी कदम पर विचार किया। दक्षिण कोरिया के कार्यकर्ताओं द्वारा भेजे गए प्योंगयांग विरोधी पर्चों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।

अवैध रूप से भारत में घुसने वाला चीनी पकड़ा

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में बिना वैध दस्तावेज के घूम रहे चीनी नागरिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने बताया कि पकड़े गये व्यक्ति के पास से चीन का नक्शा, मोबाइल फोन और पत्थर की तीन मूर्तियां बदामद हुई हैं।

संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी पर जोर

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम संसाधनों में अपने महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में दूसरी समिति के लिये भारत की प्रथम सचिव, पेंटल गहलोत ने एक सम्वाद में कहा कि ययएनडीपी भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर एक नॉलेज भागीदार था।

मणिपुर हिंसा, भारी चिन्ता का विषय

देश के उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर में हिंसा भड़कने का डर बना हुआ है। जिरीबाम जिले में कुछ उग्रवादियों ने पुलिस चौकियों और घरों पर हमला किया और आग लगा दी। मणिपुर में फिर से हुई हिंसा भारी चिन्ता का विषय है।

फसक

दाज्यू, भूत उतारने के बहुत तरीके ठैरे

खा-पीकर डकार लेने वाले आंखिरकार चुप्पी कर जाते हैं बल

दाज्यू, लोकसभा चुनाव में पहाड़ में कमल खिल गया बिज्जू और बालम बहुत खुश हैं। कह रहे थे- 'अपनी सरकार बन गई है, अब फतेहपुर से फरुखाबाद तक ट्रक दौड़ाने में कोई डर नहीं है।' दाज्यू, यह सब तो ठीक है लेकिन बालम को कौन समझा सकता है कि हालात हमेशा एक समान नहीं होते। बालू में मूता टिकता नहीं है। दाज्यू, पब्लिक चुप्प रहने में भलाई समझ रही है लेकिन इसके अन्दर धधक रही पीड़ा को कोई इन्तजाम तो चाहिये ही। भूत उतारने के कई तरीके ठैरे। इनमें चुनाव भी एक तरीका हुआ, तभी तो चुन-चुन कर पार्टियों को झूलने पर मजबूर कर दिया।

दाज्यू, ईश्वर क्या दिखलाता है पता नहीं। रुद्रपुर के थाना ट्रांजिट कैम्प के आजाद नगर में भाजयुमो नेता ने चाकू गोदकर अपने पिता को मार डाला। पॉक्सो कोर्ट ने अपने फैसले में शिष्य से दुष्कर्म के आरोपी पुजारी को बीस साल की सजा सुनाई। उधर काशीपुर में युवती ने प्रेम जाल में फंसा कर युवक से 5 करोड़ मांगे हैं बल। सोशल मीडिया पर दोस्ती कर मर्चेन्ट नेवी के के सेकेंड अफसर के पद पर तैनात नोएडा निवासी युवक ने पुलिस में मामला दर्ज कराया है। रानीखेत कैंट क्षेत्र स्थित कालू सैय्यद मजार पर उर्स मेले के दौरान अचानक अंधड़ से विशालकाय पेड़ गिर गया जिसमें एक की मौत और कई घायल हो गये। दन्या कस्बे के कछियौल गाँव में महिला संगीत के दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। बागेश्वर से ली मिठाई में बीड़ी के टुकड़े मिलने का वीडियो वायरल हो गया। दाज्यू, हर दस मिनट में कोई न कोई बबंडर मचा है। ऐसे किसका मन लगेगा पूजा-पाठ में? अब तो यज्ञ, पाठ, दान का मतलब ही लट्ठपेल हो चुका है बल।

हल्द्वानी में फिर से रुपये हड़पने की खबर है। व्यापार में साझेदार बनने का झांसा देकर महिला ने 8 लाख हड़प लिये बल। महिला पहले से ही आरोपों में घिरी रही है। दाज्यू, गर्मी से धधक रहे कल्लू चौधरी ने कुत्तों के नाखून काटने का काम शुरू कर दिया है। कल्लू कह रहा था- 'चुनाव के समय बहुत व्यस्तता हो जाती है। अब जाकर कारोबार का समय मिल पाया है। स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना है।'

उच्चशिक्षा में एक समान सिस्टम का मजा दिख रहा है। समर्थ पोर्टल से प्रवेश प्रक्रिया में छूंछाट-चूंचाट भी होने लगी है। महिला कालेज में छात्र नेताओं ने ताला डाल दिया। एमबी कालेज में हंगामा कर दिया। हरियाली से घिरे कालेज में छात्र नेता बिदक गये जबकि पटरी पार वाले कालेज की पूछो मत। बब्बू बता रहा है- 'गले तक बूजा भर खाने वाला बुलरुवा और मिट्टू सिंह दाएं-बाएं हो गये हैं। इनकी शिकायत नेता-मंत्री से लेकर कई जगह हो चुकी है। बूजा भर-भर कर खाने के बाद गलियाने वाले बुलरुवा और मिट्टू कटखने बन्दर की तरह उछलने लगे थे।' दाज्यू, बब्बू बेचारा सीधा-सच्चा है। उसे क्या पता ताजा बूजा खाने से खाप के अन्दर की कोमल खाल भड़ी जाने वाली ठैरी। इसलिये उछलकूद हो रही होगी। मिट्टू सिंह ने समाधी लगा ली है। दुनिया में यह लगा धन्धा हुआ। खा-पीकर डकार लेने वाले आंखिरकार चुप्पी कर जाते हैं बल। सुरताल सिंह बता रहा था- 'मैडम ने जिस कुत्ते को पाल रखा है, उसकी जंजीर खोल दी है, वह खुल्ला घूमता रहता है।' दाज्यू, जानवरों को भी लाड़ प्यार बराबर मिलना चाहिये। बेचारे खाने पीने के लिये भटकते रहते हैं। चाट-चटावन की दुकान सजाते रहो राहू-केतु भी दो कदम पीछे हो जाते हैं। कुकुर को जितना प्यार जताओगे वह उतनी पूंछ हिलाएगा। उसके लिये क्या हापुड़, क्या गाजियाबाद..........जिधर मन करे पैर उठाकर........। हड्डी मिल जाए तो सोने पर सुहागा ठैरा।

दाज्यू, हल्द्वानी डीएम कैम्प कार्यालय में शराब पीते तीन सिपाही निलम्बित हो गये। शिबो-शिब बेचारों का अदीन आया ठैरा। पीने वाले कहाँ जो नहीं पी रहे हैं। बुलरुवा गांजा पीने के बाद भी शहर में घूमता रहा और जब गुठली बड़ी हो गई तो वृन्दावन जाकर 'हरे कृष्णा' करने लगा। सुरताल सिंह बता रहा है- 'चौराहे पर नेटबोर्ड वाला पोस्टर लगवा दिया है। मैडम आशीर्वाद के रूप में कुल्ला करती रहती हैं। पोस्टर से होता हुआ कुल्ले का पीप-पानी हमारे आगन तक सुगन्धित करता रहता है।' सुरताल यह भी बता रहा है- माधुरी मैम नया नाटक तैयार कर रही है। 'चाण्डाल' नाम के इस नाटक में पूरा नशा भरा हुआ है बल। दाज्यू, इस दुनिया के रखवाले के आगे धूपबत्ती जलाते रहो। पता नहीं क्या होने वाला है......

दाज्यू, लोकसभा चुनाव के बाद हम भी थकाई मिटा रहे हैं। अपना लल्लू भी छात्र संघ तैयारी में लगेगा। वैसे अब फुलसुंगा में पहला मानसिक दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र भी बनकर तैयार हो गया है। दाज्यू, दुनिया का मेला यूं ही चलता रहेगा। आप सफर में रहो, गलत क्यों सहना है? गड़बड़ क्यों करना है? गफलत में क्यों पड़ना है? जलन-गलन क्यों हो? दुनिया बड़ी रंगीन है, इसके रंगों में सकारात्मक ऊर्जा वालों से लगाव बना रहे बस।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

पेंशनर्स की समस्या समाधान हेतु एक्टिव टीम का सम्पर्क अभियान

हल्द्वानी। पेंशनर्स की किसी भी समस्या के त्वरित समाधान हेतु गठित एक्टिव टीम ने समूचे पेंशनर समुदाय को एक मंच पर लाने के लिए व्यापक सम्पर्क अभियान की शुरुआत कर दी है । पेंशनर्स के बीच एकता की इस मुहिम की खुलकर सराहना हो रही है ।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन द्वारा एक 12 सदस्यीय एक्टिव टीम का गठन करते हुए पेंशनर्स से अपेक्षा की थी कि उनको कहीं पर कोई परेशानी हो तो उनकी एक कॉल पर एक्टिव टीम तत्काल मदद के लिए उन तक पहुँचेगी। एक्टिव टीम ने पेंशनर्स के बीच एकता की दिशा में कार्य करने को अपनी प्राथमिकता में लिया था।

इसी एकता की मुहिम के तहत सम्पर्क अभियान की शुरुआत में एक्टिव टीम के मुख्य संयोजक रमेश चन्द्र पाण्डे ने उत्तराखण्ड पेंशनर परिषद के जिलाध्यक्ष वीर सिंह से भेंटकर उनके साथ विस्तार से बात की। श्री पाण्डे ने कहा कि सभी पेंशनर एकता के पक्षधर हैं लेकिन एक ही उद्देश्य के लिए अलग अलग संगठनों की स्थिति से खिन्न होकर तटस्थ रहना बेहतर समझ रहे है। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी कोषागार से पेंशन लेने वाले लगभग 11600 पेंशनर है और इस एकता की मुहिम के दरम्यान जिन सैकड़ो पेंशनर्स से एक्टिव टीम की बातचीत हुई है सभी ने इस मुहिम का स्वागत करते हुए पेंशनर्स संगठनो के बीच समानान्तर स्थिति को हरहाल में पाटने पर बल दिया है। सभी का एक स्वर से कहना है कि हल्द्वानी से एकता की शुरुआत कर राज्य के समूचे पेंशनर्स को एक मंच पर आने का रचनात्मक संदेश दिया जाए। परिषद के अध्यक्ष वीर सिंह ने समूचे पेंशनर्स को एक मंच पर लाने के लिए छेडी गई इस मुहिम की खुलकर सराहना करते हुए कहा कि वे शीघ्र ही एकता के इस प्रस्ताव को अमली जामा पहनाने के लिए परिषद की कार्यकारिणी के बीच चर्चा करेंगें।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सीमान्त के मनोहर....

प्रथम पृष्ठ का शेष

commentaries से पूर्व में, मध्य में और अन्त में जो विशेष कार्यक्रम होते हैं और जिनमें विशेषज्ञों के साथ श्रोताओं की भागीदारी भी होती है ये विशेष कार्यक्रम श्री रावत की ही सोच का ही परिणाम है। मनोहर सिंह द्वारा आकाशवाणी के खेल कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने और श्रोताओं के लिए अधिक रूचिकर बनाने के कारण इनका नाम Doha और Incheon में आयोजित हुए एशियाई खेलों और राजधानी में 2012 में आयोजित हुए commonwealth games में आकाशवाणी coverage team में रखा, साथ ही इन्होंने ICC world Cup के सिलसिले में दो बार श्री लंका में आकाशवाणी commentary team का नेतृत्व किया. श्री रावत ने आकाशवाणी के Sports programme में जो विशेष बदलाव किए उनमें मुख्य हैं- use of attest technique and format, communication of latest updates/information supported by authentic sound bytes and resource person सबसे पहले, सबसे तेज सबसे विश्वसनीय।

Sports के साथ साथ श्री रावत जनहित में आम आदमी की दैनिक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान के लिए आकाशवाणी पर अनेक कार्यक्रम करते रहे जिनमें Public Grievances पर आधारित सपअम चीवदम पद live phone in Programme को विशेष सफलता मिली. लगभग 15 वर्ष तक श्री रावत ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया और भारत सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय निकायों, Public sector Undertakings, Autonomous Bodies/Institutions के सक्षम अधिकारियों को कार्यक्रम में बुलाकर लोगों की समस्याओं से अवगत करवाया और लोगों को अपनी बात की सीधे कहने का अवसर दिया. इस phone in programme और ऐसे ही कितने ही Public grievances के कार्यक्रम श्री रावत के निर्देशन में हुए जिनकी success stories की सूची भी बड़ी लम्बी है।

November 2022 में मनोहर रावत ने आकाशवाणी दिल्ली के कार्यक्रम प्रमुख का कार्य सम्भाला। अब इनके व्यक्तित्व और कृतित्व के वे सभी पक्ष देखने को मिले जिनको अभी तक अवसर नहीं मिला था लकतु पृष्ठभूमि तैयार हो चुकी थी, विचार परिपक्व थे, योजना बन चुकी थी, इरादे नेक थे और समय आ गया था आकाशवाणी दिल्ली के सभी कार्यक्रमों को जो Covid काल में पीछे चले गए थे उन्हें पुन: आरम्भ करने और नई पहचान देने की, सबसे अधिक महत्वपूर्ण था कलाकारों को अवसर देने और श्रोताओं को जोड़ने का प्रयास। इसी क्रम में आरम्भ हुए आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष कार्यक्रम- माटी के रंग Swaranjali (Classical And Light Music), युवा कवि प्रतिभाओं के लिए कविताओं की संगीतमय प्रस्तुति।

G-20 सम्मेलन देश लिए एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम था। मनोहर रावत के नेतृत्व में सितम्बर 2023 से July 2023 के बीच G-20 के उपलक्ष्य और सफलता को Celebrate करने के लिए लोगों के बीच जाकर देश की संस्कृति और संगीत का प्रचार प्रसार करने के कुल 27 कार्यक्रम किए गए जिनमें से अधिकांश युवाओं के लिए थे जिनका आयोजन Schools, Colleges, Universities के साथ। Atari Border (BSF) के सहयोग से CISF Indira Puram में CISF के सहयोग से और देश के पहले गांव माणा में किया गया।

मनोहर सिंह रावत 37 साल आकाशवाणी की सेवा करने के उपरान्त 31 मई 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनका कार्यकाल आकाशवाणी के इतिहास में सदैव एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। हर महत्वपूर्ण कार्य और आयोजन यथा स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, लोक सेवा प्रसारण दिवस, Parliament Sessions, आकाशवाणी संगीत सम्मेलन, National Symposium of Poets, Dr Rajendra Prasad Memorial Lecture, Sardar Patel Memorial Lecture में इनकी भूमिका और योगदान को सदा याद किया जाएगा।

आकाशवाणी दिल्ली में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के एकमात्र आगमन की स्मृति में आज बापू स्टूडियो है, भारत रत्न पंडित रवि शंकर संगीत स्टूडियो है, Social Media Cell है, Radio Museum की तैयारी है जो ही शीघ्र ही पूरा होगा और जब जब इनके बारे में बात होगी तो दिल और दिमाग में एक ही तस्वीर होगी जुबाँ पर एक ही नाम होगा- मनोहर लसह रावत।

हिमालय राज्यों में अनुसंधानों को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत

अल्मोड़ा। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली में राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन की एक बैठक में वक्ताओं ने हिमालयी राज्यों की वृहद चुनौतियों को देखते हुए वहाँ नए और व्यापक आयाम वाले अनुसंधान को बढ़ावा देने की वकालत की है।

बैठक से लौटे जीबी पन्त राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान कटारमल एनएमएचएस के नोडल प्रमुख ई.किरीट कुमार ने बताया कि एनएमएचएस की इस बार सम्पन्न 24वीं अर्थात वैज्ञानिक एवं तकनीकी सलाहकार समूह की बैठक में विशेषज्ञों ने करीब एक दर्जन परियोजनाओं के चयनित प्रस्तावों पर गम्भीर चिन्तन किया और विभिन्न हिमालयी राज्यों की आवश्यकताओं व नवीन चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें अग्रिम अनुमोदन हेतु भेजा। संयुक्त सचिव नमिता प्रसाद ने देश में नवीन अनुसंधानों को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता पर बनाए रखने का सुझाव दिया।

गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट

नैनीताल। राजभवन गोल्फ क्लब नैनीताल की ओर से 19वां गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। राज्यपाल लेनि.जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने इसका शुभारम्भ किया। इस वर्ष 121 गोल्फों ने आयोजन में प्रतिभाग किया। इसमें 7 वर्ष के बच्चे और 75 वर्ष से ऊपर तक के सुपर वेटरन भी थे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि राज्यभवन गोल्फ कोर्स का नैसर्गिक सौन्दर्य अपने आप में सबसे अलग है। देश के विभिन्न भागों से यहाँ आने वाले नैसर्गिक सौन्दर्य का लुफ्त भी उठा सकते हैं।

अर्जुन पुरस्कार विजेता पद्मश्री जफर इकबाल ने कहा कि वह पिछले 6 वर्ष से यहाँ आ रहे हैं। यहाँ प्रतिस्पर्द्धा न होकर अपने से ही प्रतियोगिता है। जिसे बराबर बेहतर करने की चुनौती होती है।

ज्योतिष की बातें - 182

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह शनि मूलत्रिकोण राशि कुम्भ में, मंगल व बुध स्वराशि मेष व मिथुन में क्रमश:, शुक्र मित्रराशि मिथुन में, सूर्य समराशि मिथुन में, गुरु शत्रुराशि वृषभ में यथावत् गोचर करते रहेंगे। चन्द्रमा इस सप्ताह तुला, वृश्चिक, धनु व मकर राशि में क्रमश: गोचर करेगा।

21 जून 2024 को सूर्य सायनमान से कर्क राशि में प्रवेश करेगा। वर्षा ऋतु प्रारम्भ हो जाएगी। अत: अगले दो माह त्रिफला चूर्ण में थोड़ा सेंधा नमक मिलाकर सेवन करना स्वास्थ्यप्रद रहेगा।

निर्जला एकादशी व्रत- ज्येष्ठ शुक्लपक्ष एकादशी उदयव्यापिनी तिथि में निर्जला एकादशी का व्रत किया जाता है। अत: मंगलवार 18 जून 2024 को निर्जला एकादशी का व्रत रखा जाएगा। वर्ष की 24 एकादशियों में इस निर्जला एकादशी का विशेष महत्व है। केवल इस एक मात्र एकादशी का निर्जला व्रत करने से वर्ष की सम्पूर्ण 24 एकादशियों के व्रत का फल प्राप्त हो जाता है।

शुभं भवतु !! **-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 73

आग क्यों लगती है!

आजकल गर्मी के मौसम में जगह-जगह आग बहुत लगती है मकान में आग तेजी से फैलती है, चलती हुई गाड़ी में आग लग जाती है, बड़े-बड़े कार्यालयों में आग लगती है, खेतों में पककर तैयार हुई फसल में आग लग जाती है और जंगल तो पूरी गर्मी भर जलते ही रहते हैं। इसके कारणों पर विचार करें।

1. आजकल घरों में ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग बहुत होता है। घर में रखा सारा सामान प्लास्टिक का होता है जोकि ज्वलनशील है। पेट्रोल, डीजल का उपयोग होता है जो विस्फोटक और ज्वलनशील है। प्रत्येक घर में एलपीजी गैस सिलेंडर रखे होते हैं। मकानों में और गाड़ियों में एसी का उपयोग भी सर्वत्र होता है। इन तीव्र ज्वलनशील पदार्थों के कारण घरों में आग तेजी से फैलकर विध्वंस करती है। बचने का अवसर ही नहीं मिलता।

2. बड़े-बड़े सरकारी कार्यालयों में धीरे-धीरे हजारों, लाखों फाइलों का इतना विशाल ढेर होता है कि जिसको संभालना अत्यन्त कठिन हो जाता है। फिर एक दिन भयंकर आग ही इन अभिलेखों को संभालती है।

3. आजकल तरह-तरह का बीमा होता है। दुकानों का बीमा होता है, कारखानों का बीमा होता है, फसल का भी बीमा होता है। आग लगने पर नुकसान की भरपाई बीमा कम्पनी से हो जाती है। इस कारण भी कभी-कभी दुकानों में, कारखाने में, खेतों में आग लग जाती है।

4. सबसे बड़ी बात, जंगलों में जो निरन्तर गर्मी के मौसम में आग लगी रहती है वह तो सिर्फ इसलिए लगती है क्योंकि आग बुझाने के लिए बजट आता है। बजट का उपयोग भी तो करना है।

यहाँ पर आग लगने के चार प्रमुख कारणों का वर्णन किया गया है । इसका समाधान भी यही है कि इन चारों कारणों को समाप्त किया जाए या फिर न्यूनतम किया जाए । **-सरल**

नानि कहानि — उतौव

दीवान सिंह कठायत

'सुदे छौव जस् छु तौ, हर काम में उतौव। पत्त नै क्या ही है रूनेलि तै तद् जल्दी, म्यार मन न ऊंन तैक तौं काम।' कैते हुए मधुआक् बौज्यू पिती बेर बल्दन खोलि, चरूण ही डान् ही जनैराय्। 'इजा त्यार बौज्यू ठीकै तो कुनान्, छौयाट्-बौयाट् भल नै हुन। भलो कै सहोरैले काम सही हुनेर भ्याइ।' इजालि कल्यौ थाइ, बोरी में चकरबाटि हालि बेर बैठी, मधुआक् मुख ला सराते हुये को।

'इजा मेरि सारै तरौड़ि कै काम करणैकि छ, मैं सोचूं फटाफट काम निपटाइत् इकार है जाँ।' 'पै तदुक जै कि पै, अफण नुकसान है जाँ, मलि बटि मनख लै हाँसि करनान्। 'द्वीनै में खानखानै बतकौ लै हूंणाई। तरौणि कै रवाट् नक बुज खाप् ठैसि मलिबटी छस्सियाकि सुणुक मारि, पाणि पी कुल्ल करि बुकसैटैलि थोव पोछि बेर मधू, बलुआकि जीप में बीनाग ही लटिक् बेर जानै रौ।

अथा तिरौड़ि मधू इकै हप्त में हैंडिल घुमूंण बैगो और दुहार हप्त बटी अफि गाड़ि चलूंण बै ग्यो। आठ जानेक् उसि कै पास हयी मधु, द्वि तीन बखत में लै दस पास नै है सकि। पर आब् फटाफट डराबर कि बणौ, बस सपै जीप वाव् वीथै मधु उस्ताद कूंण बैग्या।

आब् मधू, देबसिंग क्यप्टन सापैकि जीप बीनाग है रोज चाम्, चाम् है बीनाग चलूँण बैग्यो। थ्वाड़ दिन कच्च लैसंस बणा फिर जुगाड़ भिड़ा बेर पक्कि बणि ग्यो। अति उतौव सारिक् मधू आब् हल्द्वाणि लै चलण बैग्यो। लंब चलण में कमा लै बाँकि हूंण बैग्ये। ओहो आब् ऊ रातन् दिन बस गाड़ी धूतूंणैकि सोचनेर भेइ। रात नींनन दिन भूका। दगणू कुस्सी किलीनर कैम्र हगिल बैठूनैरै नै भय। मगर अति उतौव हुंण कभै भल नै हुन। एक दिन रात्तै रै आगर में पैसीनजरन छोड़ि बेर, गाड़ी लौटूण बैठ छैत, झप्प उकै झपकी ऊनैरै। गाड़ी सीधै जानैरै गाड़। जरा मनख् उतारि हालि। आब् मधु अस्पताल में भर्ती छु कमर टुटि गे जरा ज्यान बचि गे। ऊकै आब् रै- रै बेर अफण इजबौज्यूकि उ बात याद ऊणै, जै कै उ उदिनान नानछना सुणि नै दीछ्यू।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जोहार डाक्टर्स एसो. का चिकित्सा शिविर

थल। जोहार मुनस्यारी डॉक्टर्स एसोसिएशन का प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी चिकित्सा शिविर लगा जिसमें ईएनटी, बाल रोग विशेषज्ञ, गायनेकोलॉजिस्ट, सर्जन, नेत्र विशेषज्ञ, हड्डी सम्बन्धी विशेषज्ञ, न्यूरो, गैस्ट्रो सर्जन, हृदय रोग, मानसिक रोग से सम्बन्धित चिकित्सकों ने जाँच की। संस्था के संरक्षक व पूर्व सीएमओ डॉ.नारायण सिंह पांगती के नेतृत्व में शिविर इस बार धरमघर व मुनस्यारी में लगाए गये।

दून मेडिकल कालेज में कमेटियां

देहरादून। दून मेडिकल कालेज में छात्रों के अनुशासन, बेहतर पढ़ाई को लेकर 26 कमेटियों का गठन किया गया है। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना की ओर से कमेटियों की सूची जारी की गई। साथ ही लगातार कमेटियों की बैठक कर कालेज में छात्रों, फैकल्टी के हितों एवु कालेज में रसर्च कार्यों को बढ़ावा देने और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए।

तिंकर नाका फिर खोला जाएगा

झूलाघट। भारत सीमा से लगे नेपाल के दार्चुला जिले का नेपाल और चीन को जोड़ने वाला तिंकर नाका खोल दिया जायेगा। कोरोना काल से बन्द पड़े इस नाके को खोलने के लिये दोनों देशों के बीच सहमति बनी है। 20 जून के बाद इस नाका पर आवाजाही शुरू हो जायेगी। तिब्बत क्षेत्र में आने वाला तिंकर नाका व्यापारिक दृष्टि से नेपाल के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

जागेश्वर सड़क के लिये नहीं कटेंगे पेड़

अल्मोड़ा। जागेश्वर धाम में सड़क चौड़ीकरण के लिये देवदार के पेड़ नहीं काटे जायेंगे। विकल्प के तौर पर नई सड़क का सर्वे होगा या पेड़ों को बचाने के लिये आरतोला-जागेश्वर सड़क डेढ़ लेन बनेगी। लोनिव कि विभागाध्यक्ष दीपक यादव ने जागेश्वर पहुँच कर मास्टर प्लान के कार्यों का निरीक्षण किया।

रानीखेत में बन्दरों का आतंक

रानीखेत। नगर में बन्दरों का आतंक मचा है। स्कूल-कालेज आते-आते बच्चों पर झपटने के अलावा घरों व दुकानों की छतों पर बैठे बन्दर कभी भी हरकत कर सकते हैं। बन्दरों के हमले से बचने पर एक छात्रा खाई में गिर गई। क्षेत्रवासियों ने बन्दरों से निजात दिलाने के लिये कई बार प्रशासन से मांग कर डाली है लेकिन इस दिशा में अभी तक कुछ नहीं हुआ।

कैंची मेला

भवाली। कैंची धाम में 15 जून को प्रतिवर्ष लगने वाला मेला इस बार भी भीड़ के बीच सम्पन्न हुआ। गत वर्ष से भवाली-अल्मोड़ा मार्ग पर कैंची के आस पास बेहिसाब जाम से यातायात व्यवस्था चरमरा चुकी है।

गेलपातल : इस बार धरमघर में हुआ वृक्षारोपरण का आयोजन

धरमघर। जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी हल्द्वानी द्वारा इस बार गेलपातल आयोजन धरमघर में किया गया। सघन वृक्षारोपण के आयोजन की शुभारम्भ जागरूकता रैली के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कपकोट क्षेत्र के विधायक सुरेश सिंह गड़िया द्वारा किया गया। क्षेत्रवासियों ने पधारे मेहमानों के साथ मिलकर एक हजार पेड़ों का रोपण किया। जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारियों के साथ ही गंगा सिंह पांगती, धाम सिंह पंचपाल, गोकुल सिंह पंचपाल, परसीलाल वर्मा, चेतन धर्मशक्तू, मनोहर सिंह पंचपाल, पप्पू वर्मा, दिनेश पाठक तमाम लोग आयोजन में जुटे। स्थानीय विद्यालयों, मंगल दलों व सांस्कृतिक टीमों द्वारा भागीदारी की गई। बच्चों की प्रतियोगिता के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सुन्दर आयोजन भी धरमघर में किया गया।

उल्लेखनीय है कि समिति द्वारा प्रतिवर्ष अलग स्थान का चयन कर गेलपातल का भव्य आयोजन किया जाता है, इसी क्रम में इस बार धरमघर में यह था।

जोहार क्लब : वार्षिक खेलोत्सव

मुनस्यारी। जोहार क्लब की ओर से प्रतिवर्ष होने वाले वार्षिक खेलोत्सव का इस बार भी जोरदार आयोजन हुआ। 16 दिवसीय आयोजन का शुभारम्भ जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया, बालीबाल खिलाड़ी हीरा सिंह भट्ट ने किया। क्लब के 69वें वार्षिक खेलोत्सव में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व मेहमानों की भीड़ जुटी। कमाण्डेण्ट बेस हास्पिटल दिल्ली डा. हीरा सिंह धर्मशक्तू सहित तमाम अतिथियों ने आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों का उत्साहित किया।

फुटबाल प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला एमबीएफसी और तल्ला घोरपट्टा के बीच खेला गया जिसमें एमबीएफसी की टीम 1-0 से जीती। यहाँ हुए अण्डर-14 वर्ग बालिका वर्ग के मुकाबले में सर्वोदय पब्लिक स्कूल व मुनस्यारी पब्लिक स्कूल के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। सीनियर वर्ग के मुकाबले में जोहारी बॉयज ने अपना मैच महेश्वर क्लब बनिग्या गाँव के साथ जीता।

आयोजन के दौरान क्लब के अध्यक्ष केदार सिंह मर्तोलिया, गौरव पांगती, रवि वृजवाल, जितेन्द्र जेष्ठा, रमेश राम, दीवान कोरंगा, गजराज पांगती, प्रीति कुंवर आदि उपस्थित थे।

विरोध के बाद आदेश निरस्त किया

नैनीताल। शिक्षा विभाग ने पर्यटन सीजन के दौरान सहायक अध्यापकों को यातायात ड्यूटी पर लगाने का आदेश 24 घण्टे के भीतर निरस्त कर दिया। यातायात ड्यूटी पर लगाए गए सभी सहायक अध्यापकों को निर्देश दिए गए कि वह तत्काल अपनी उपस्थिति अपने मूल विद्यालय में दें। बताते चलें कि शिक्षा विभाग ने पर्यटन सीजन का हवाला देते हुए डीएम के निर्देश पर शिक्षा विभाग से अलग-अलग विद्यालयों में तैनात सहायक शिक्षकों को नैनीताल क्षेत्र में यातायात ड्यूटी सम्भालने के निर्देश दिये थे। विभाग के इस फरमान का राजकीय शिक्षक संघ ने कड़ा विरोध किया। शिक्षकों को इस प्रकार ड्यूटी पर लगाये जाने की अन्य ने भी आलोचना की। इसकी चर्चा आग की तरह फैलती रही तो जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) ने नया आदेश जारी कर ट्रैफिक ड्यूटी को निरस्त किया। इस आदेश से सम्बन्धित शिक्षकों को अपने मूल तैनाती स्थान के लिये कहा।

रुड़की नगर निगम और बाजपुर पालिका

देहरादून। सरकार ने रुड़की नगर निगम और बाजपुर नगर पालिका के परिसीमन को मंजूरी दी है। इन दोनों निकायों का दायरा बढ़ने के साथ ही अब राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण की अधिसूचना जारी कर दी है।

9 अगस्त को इन दोनों निकायों की वोटर सूची का अन्तिम प्रकाशन मतदाताओं के लिये हो जाएगा। राज्य में निकाय चुनाव की तैयारियों के बीच इससे पहले शहरी विकास विभाग ने नगर पालिका हरबर्टपुर, नरेन्द्रनगर, रुद्रप्रयाग और नगर पंचायत कीर्तिनगर के परिसीमन को मंजूरी दी थी, जिस आधार पर राज्य निर्वाचन आयोग ने उनकी मतदाता सूची पुनरिक्षण की अधिसूचना जारी कर दी थी। इसके बाद रुड़की नगर निगम और बाजपुर नगर पालिका के परिसीमन की मंजूरी भी शहरी विकास विभाग ने आयोग को भेज दी थी। इस आधार पर राज्य निर्वाचन आयुक्त चन्द्रशेखर भट्ट ने दोनों निकायों की अधिसूचना जारी कर दी। इसमें अब घर-घर जाकर गणना व सर्वे शुरु हो गया है जो 29 जून तक चलेगा। वोटरों के नाम 3 से 22 जुलाई तक दर्ज होंगे।

आदिकैलास और पूर्णागिरी में भीड़

धारचूला/चम्पावत। इस बार के ग्रीष्म पर्यटन सीजन में यात्रियों से उत्तराखण्ड खचाचाच भरा हुआ है। इस भीड़ का परिणाम यह हुआ है कि सभी मुख्य मार्ग जाम से जूझ रहे हैं और कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सीमान्त क्षेत्र में यात्रियों की आवत को देखा जाए तो आदि कैलास और ओम पर्वत के दर्शन के लिये बारह हजार से अधिक पर्यटक पहुँच चुके हैं। इस यात्रा से होमस्टे कारोबार को खासा अवसर मिला है।

पूर्णागिरी मेले के लिये करीब 22 लाख यात्रियों के आने का अनुमान है। होली के अगले दिन से शुरु हो जाने वाले इस मेले में मैदानी क्षेत्र से श्रद्धालुओं के पैदल जत्थे आते हैं और निजी वाहनों के अलावा रेल सुविधा होने से दूर-दराज के यात्री पहुँचते हैं। जून तक यह मेला रहेगा इसमें चकरपुर, टनकपुर सहित कई पड़ाव स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देते हैं।

अल्मोड़ा मेडिकल कालेज, पीजी कोर्स

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा मेडिकल कालेज में सामान्य चिकित्सकों के साथ ही विशेषज्ञ तैयार होंगे। अगले सत्र से यहाँ पीजी कोर्स संचालित होने हैं। कालेज प्रबन्धन ने पीजी कोर्स शुरू करने के लिये नेशनल मेडिकल काउंसिल (एन एमसी) में आवेदन किया है। प्रबन्धन का मानना है कि जल्द ही इसे स्वीकृति मिलेगी। 4.20 करोड़ रुपये से स्थापित मेडिकल कालेज का तीन साल पहले संचालन शुरू हुआ था लेकिन आज तक मेडिकल कालेज में फैकल्टी के रूप में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी बनी हुई है। ऐसे में यह प्रस्ताव भेजा गया।

मेडिकल कालेज में अभी 60 फैकल्टभ तैनात है। इसमें महिला, रेडियोलॉजी सहित अन्य महत्वपूर्ण विभाग में फैकल्टी की कमी है। काजेज में 90 फैकल्टी की जरूरत है। मानना है कि यदि स्थानीय स्तर पर पीजी कोर्स शुरू हुआ तो फैकल्टी की कमी दूर की जा सकती है। कालेज के प्राचार्य डा.सीपी भैसोड़ा के अनुसार पाजी कोर्स शुरू करने की तैयारी है। इसका लाभ अस्पतालों में होगा।

नैना देवी में वीडियो बनाने पर पावंदी

नैनीताल। एक महिला के डांस करने वाले वीडियो के वायरल होने के बाद नैना देवी मन्दिर प्रशासन ने मन्दिर परिसर में फोटो-वीडियो बनाने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। साथ ही अमर्यादित कपड़े पहनकर आने वालों को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। वीडियो बनाने वाली महिला ने भी नयना देवी मन्दिर पहुँचकर माफी मांग ली है।

स्वास्थ्य : जिम नहीं अच्छी किचन जरूरी

ऋषिकेश। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ओर से वर्ल्ड फूड सेफ्टी डे पर विशेषज्ञों ने कहा कि सीर खानपान कि लिये सावधानी जरूरी है। आज जिम से ज्यादा अच्छी किचन जरूरी है। इसके लिये जनजागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर मेडिसिन विभाग के डॉ.सन्तोष, अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी, लोप्रुवि के उपनिदेशक रवि बिजरनिया, एफडीए के उपायुक्त जी.सी.काण्डपाल ने विचार रखे।

परिक्रमा

मिनी मैराथन में भावेश प्रथम

मुनस्यारी। जोहार खेलोत्सव में आयोजित मिनी मैराथन सीनियर वर्ग में भावेश भट्ट प्रथम, जीवन सौन द्वितीय, जितेश कुमार तृतीय रहे। बालिका वर्ग में माया कुमारी प्रथम, मीना कोरंगा द्वितीय, आरती जोशी तृतीय रहे। बालक जूनियर वर्ग में नीरज बर्निया प्रथम, लवराज सिंह द्वितीय, पुनीत भण्डारी तृतीय रहे। जोहार सहयोग निधि अल्मोड़ा इसका प्रायोजक था जबकि मुख्य अतिथि सुरेन्द्र सिंह रावत, महेश सिंह धर्मशक्तू, जसवन्त सिंह सयाना उपस्थित रहे।

खूंपी गाँव बरसात की डर से चिन्ता में

नैनीताल। नगर के सीमावर्ती खूपी गाँव में बरसात का डर सता रहा है। भूस्खलन से घिरे इलाके में प्रशासन ने विस्थापन चाहने वालों से नाम मांगे हैं। क्षेत्रवासियों ने विस्थापन के साथ ही बलियानाले की तर्ज पर सुरक्षा कार्य कराने की मांग उठाई है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी, इण्टर कालेज

छिनकी फॉर्म, खटीमा (उधमसिंह नगर)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क 7351285555

नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

मो.- 9458920379, 6396098804

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

अमरनाथ वर्मा

एडवोकेट

मल्लीहाट, चम्पावत

चन्द्रमोहन वर्मा

एडवोकेट

मल्लीहाट, चम्पावत

दीपक सिंह बिट्ठल

समाजसेवी

टनकपुर

राजेन्द्र प्रसाद

राज संगीत विद्यालय

तहसील रोड

बागेश्वर

प्रेम सिंह फोनिया

गमशाली

नीती (उत्तरकाशी)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)